
Shrinivasa Stutih

श्रीनिवासस्तुतिः

Document Information

Text title : Shrinivasa Stutih

File name : shrInivAsastutiH.itx

Category : vishhnu, venkateshwara, stuti, vishnu

Location : doc_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : skandapurANA | 2. vaiShNavakhaNDA | veNkaTAchalamAhAtmya | adhyAyaH
23 | 1218||

Latest update : December 17, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 18, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीनिवासस्तुतिः



अथ पद्मनाभारख्यद्विजकृतश्रीनिवासस्तुतिः ।

नमो देवाधिदेवाय वेंकटेशाय शार्ङ्गिणे ।

नारायणाद्रिवासाय श्रीनिवासाय ते नमः ॥ १ ॥

नमः कल्मषनाशाय वासुदेवाय विष्णवे ।

शेषाचलनिवासाय श्रीनिवासाय ते नमः ॥ २ ॥

नमस्त्रैलोक्यनाथाय विश्वरूपाय साक्षिणे ।

शिवब्रह्मादिवंद्याय श्रीनिवासाय ते नमः ॥ ३ ॥

नमः कमलनेत्राय क्षीराब्धिशयनाय ते ।

दुष्टराक्षससंहर्त्रे श्रीनिवासाय ते नमः ॥ ४ ॥

भक्तप्रियाय देवाय देवानां पतये नमः ॥ ५ ॥

प्रणतार्तिविनाशाय श्रीनिवासाय ते नमः ॥ ६ ॥

योगिनां पतये नित्यं वेदवेद्याय विष्णवे ।

भक्तानां पापसंहर्त्रे श्रीनिवासाय ते नमः ॥ ७ ॥

एवं स्तुतो महाभागः श्रीनिवासो जगन्मयः ।

पद्मनाभारख्यत्रहृषिणा चक्रतीर्थनिवासिना ॥ ८ ॥

इति श्रीस्कन्दपुराणे वैष्णवखण्डे वेङ्कटाचलमाहात्म्ये

त्रयोविंशाध्यायान्तर्गतं पद्मनाभारख्यद्विजकृता श्रीनिवासस्तुतिः

समाप्ता ।

- ॥ स्कन्दपुराण । वैष्णवखण्ड । वेङ्कटाचलमाहात्म्य । अध्यायः २३ । १२-१९ ॥

2.23.12-18

हिन्दी भावार्थ

“शाङ्खधनुष धारण करनेवाले देवाधिदेव भगवान् वेंकटेश्वरको नमस्कार है । नारायणगिरिपर निवास करनेवाले आप श्रीनिवासजीको नमस्कार है । पापोंका नाश करनेवाले सर्वव्यापी भगवान् विष्णुको नमस्कार है। शेषाचलनिवासी आप भगवान् श्रीनिवासको नमस्कार है। जो तीनों लोकोके स्वामी, विश्वरूप, सबके साक्षी तथा शिव ओर ब्रह्मा आदिके लिये भी वन्दनीय हैं जिनके नेत्र कमलके समान हैं, जो क्षीरसागरमें शयन करते हैं तथा जो दुष्ट राक्षसोंका संहार करते हैं, उन भगवान् श्रीनिवासको नमस्कार है। जो भक्तोंके प्रियतम, दिव्य स्वरूप, देवताओंके स्वामी तथा शरणागतोंको पीडाका नाश करनेवाले है, जो योगियोंके पालक, वेदवेद्य तथा भक्तोंके पापोंका संहार करनेवाले हैं, उन श्रीनिवास भगवान् विष्णुको नमस्कार है ।” चक्रतीर्थनिवासी पद्मनाभ मुनिने इस प्रकार परम ऐश्वर्यशाली, विश्वरूप, दयानिधान वेंकटनाथ भगवान् श्रीनिवासजी की स्तुति की ।

English Meaning

Hymn to Śrīnīvasa Composed by Brahmana Padmanabha

1. “Obeisance to the over-lord of Devas, to the Lord of Venkata wielding the Śarṅga bow. Bow to you, to Śrīnīvasa, resident of the Narayana mountain.
 2. Obeisance to Vishnu, the son of Vasudeva, the destroyer of sins. Hail to you, Śrīnīvasa, resident of the Śeshachala mountain.
 3. Obeisance to the Lord of the three worlds, the omnipresent witness. Obeisance to you, to Śrīnīvasa worthy of being saluted by Śīva, Brahma, and others.
 4. Obeisance to the Lord with lotus-like eyes. Obeisance to you lying on the Milk Ocean. Hail to you, Śrīnīvasa, the slayer of wicked Raksasas.
 - 5-7. Obeisance to the Lord fond of the devotees, to the Lord of Devas. Obeisance to you, to Śrīnīvasa, the destroyer of the agony of those who bow down (to you).
- A bow to the Lord of Yogins, to Vishnu, to be always known through the Vedas. Obeisance to you, to Śrīnīvasa, the dispeller of the sins of devotees.”

8. Thus was eulogized Śrinivasa, the auspicious one who is immanent in the universe, by the sage named Padmanabha who was a resident of Chakratirtha.



Shrinivasa Stutih

pdf was typeset on December 18, 2023



Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

